

धूताई स्त्री. (देश.) छल, कपट, धूर्तता।

धूतार वि. (देश.) धूर्त।

धूति स्त्री. (तत्.) 1. हिलना, कंपन 2. हवा करना
3. हठयोग में शरीर शुद्धि की क्रिया।

धूती स्त्री. (देश.) एक चिड़िया।

धूतुक पुं. (देश.) दे. धूत।

धूतू पुं. (देश.) 1. तुरही 2. नरसिंहा 3. कन-
कारखाने की सीटी का शब्द।

धू-धू पुं. (अनु.) आग की लपटों से निकलने वाला
शब्द प्रयो. खलिहान धू-धू कर जल रहे थे।

धून वि. (तत्.) 1. कंपित 2. गरमी अथवा प्यास
से पीड़ित पुं. दून।

धूनक पुं. (तत्.) 1. कंपित करने वाला, हिलाने
वाला 2. चालाक, धूर्त।

धूनन पुं. (तत्.) 1. हवा 2. कंपन 3. क्षोभ।

धूनना स.क्रि. (देश.) 1. रुई साफ करना, रुई
धुनना 2. धूप, धूनी आदि जलाना।

धूना पुं. (देश.) एक वृक्ष या उसका गोंद जिसका प्रयोग
धूनी देने अथवा वार्निश बनाने के काम में आता है।

धूनि स्त्री. (तत्.) हिलाने की क्रिया, कंपाना।

धूनी स्त्री. (देश.) 1. साधुओं द्वारा अपने शरीर को
ठंड से बचाने अथवा उसे तपाने या कष्ट पहुँचाने
के लिए अपने सामने जलाई जाने वाली आग 2.
गुग्गुल, धूप, लोबान आदि गंध-द्रव्यों को जलाकर
उठाया हुआ धुआँ मुहा. धूनी जगाना, धूनी रमाना-
योगी बनना, विरक्त होना।

धूप स्त्री. (देश.) सूर्य का प्रकाश एवं ताप, घाम,
आतप उदा. गर्मियों में धूप में बच्चों को नहीं
निकलना चाहिए पुं. (तत्.) 1. गंध द्रव्य जिसे
जलाने पर सुगंधित धुआँ निकलता है 2.
सुगंधित धुआँ या धूम जो गुग्गुल, कर्पूर आदि
को जलाने पर उत्पन्न होता है 3. चीड़ या धूप-
सरल नामक वृक्ष जिससे गंधा-बिरोजा निकलता
है मुहा. धूप खाना- धूप लगने के लिए बाहर
आना; धूप खिलाना, धूप दिखाना- धूप लगने के

लिए बाहर रखना; धूप निकलना- सूर्य का प्रकाश
फैलना; धूप चढ़ना- सूर्य निकलने के बाद प्रकाश
एवं ताप बढ़ना; धूप में बाल सफेद करना- बिना
अनुभव या जानकारी प्राप्त किए बूढ़ा होना; प्रयो.
तुम मुझे बेवकूफ नहीं बना सकते, हमने यूँ ही
धूप में बाल सफेद नहीं किए हैं; धूप लेना- धूप
लेने के लिए बाहर आना।

धूपक पुं. (तत्.) धूप बेचने वाला, गंधी।

धूपछड़ी स्त्री. (देश.) धूप की परछाई से समय
बताने वाला यंत्र।

धूप-छाँव स्त्री. (देश.) धूप और छाया मुहा.
धूपछाँव होना- कभी धूप कभी छाया की तरह
लगातार बदलते रहना।

धूपछाँह स्त्री. (देश.) कपड़ा जो कभी एक रंग का
दिखाई पड़ता है और कभी दूसरे रंग का।

धूपछाँही वि. (देश.) विविध, वह रूप जिसका कभी
एक पक्ष या रंग झलकता है और कभी दूसरा।

धूपदान पुं. (तत्.+फा.) धूप जलाने के लिए नियत
बरतन।

धूपदानी स्त्री. (तत्.+फा.) दे. धूपदान।

धूपन पुं. (तत्.) 1. गंधद्रव्य जलाकर धूप देने की
क्रिया या भाव 2. गंधद्रव्य।

धूपना अ.क्रि. (तत्.) 1. किसी काम को करने में
दौड़ना, परेशान होना, केवल समस्त पद में
इसका प्रयोग होता है जैसे- दौड़ना-धूपना 2. गंधद्रव्य
जलाना, धूप देना स.क्रि. गंधद्रव्य जलाकर सुवासित
या सुगंधित धुआँ पहुँचाना।

धूपपात्र पुं. (तत्.) धूप रखने का बरतन या पात्र।

धूपबत्ती स्त्री. (तत्.) गंध द्रव्यों के मिश्रण के लेप
से तैयार सीक या बत्ती जिसे जलाने से सुगंधित
धुआँ फैलता है।

धूपवास पुं. (तत्.) स्नान के पश्चात् सुगंधित धुएँ
से शरीर, बाल इत्यादि को सुवासित करना।

धूपवासित पुं. (तत्.) सुगंधित धुएँ से शरीर या
बाल सुवासित किया हुआ।